समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जून २०२२ • वर्ष ७३ • अंक ०६

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

५ जून २०२२ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। बैठक का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के कर कमलों से हुआ। चित्र में निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, प्रांतीय अध्यक्षगण श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया, श्री गोकुलचंद बजाज, डॉ. सुभाष अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्रीगण श्री अशोक अग्रवाल, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल एवं श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री सज्जन शर्मा परिलक्षित हैं।

५ जून २०२२ को दिल्ली में आयोजित सम्मेलन के राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान समारोह में सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा एवं केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी बाल भाषा साहित्य सम्मान से सम्मानित साहित्यकार श्री रामस्वरूप किसान एवं श्रीमती दमयंती जाड़ावत 'चंचल' के साथ मुख्य अतिथि श्री कन्हैयालाल जैन, श्री प्रदीप भैयाजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री पवन कुमार गोयनका, श्री पवन कुमार सुरेका, श्री अशोक कुमार जालान, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, श्री पन्नालाल बैद एवं अन्य सदस्यगण।

बधाई !

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष - **श्री गोविन्द अग्रवाल**

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष - **श्री विजय गोयल**

इस अंक में :

सम्पादकीय: केवल एक पृथ्वी

अध्यक्षीय: मिमांसा आवश्यक है

प्रादेशिक समाचार: दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, उत्कल, पश्चिम बंग, महाराष्ट्र, बिहार

विशेष: मारवाड़ी हेरिटेज

विविध: स्वास्थ्य ही धन है, देव स्तुति

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ जून २०२२ ◆ वर्ष ७३ ◆ अंक ६
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** केवल एक पृथ्वी	४-५
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** मिमांसा आवश्यक है	६
● **रपट –**	
संगोष्ठी	७
सम्मेलन समाचार	८
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक	११-१२
राजस्थानी भाषा "पुरस्कार समारोह"	१३
राष्ट्रीय अध्यक्ष का उत्तराखंड दौरा	१४
● प्रादेशिक समाचार दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, उत्कल, पश्चिम बंग, महाराष्ट्र, बिहार	१५-२३
● **विशेष –**	
मारवाड़ी हेरिटेज - डॉ. डी. के. टकनेत	२४
● **विविध –**	
स्वास्थ्य ही धन है	२५
● **देव-स्तुति :** डॉ. जुगल किशोर सर्राफ	२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

बधाई !

हमारे समाज के लिए बहुत गर्व एवं प्रसन्नता का विषय है कि सेवानिवृत न्यायाधीश श्री अनूप चंद गोयल के सुपुत्र न्यायमूर्ति श्री महेंद्र गोयल राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में न्यायाधीष के पद पर सुशोभित हैं। सोमवार ६ जून २०२२ को न्यायमूर्ति श्री महेंद्र जी गोयल की धर्मपत्नी श्रीमती शुभा मेहता-महेंद्र गोयल श्री राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त हुई। शायद यह पहला अवसर है जब पति पत्नी दोनों एक ही उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हों और वह भी अपने समाज के जिनका प्रतिनिधित्व अमूमन इस क्षेत्र में बहुत कम हैं। यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। पूरे गोयल परिवार को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

केवल एक पृथ्वी

जून महिने में विश्व पर्यावरण दिवस और अंतराष्ट्रीय योग दिवस का पालन होता है। पर्यावरण में वायु, जल, भूमि, पेड़, पौधे, जीव, जन्तु, मानव और इनकी गतिविधियों का समावेश रहता है। मनुष्य और पर्यावरण को अलग करना नामुमकिन है। पृथ्वी का अर्थ है – पहाड़, मरुस्थल, महासागर, नदियाँ, झीलें, तृण, वनस्पति, चट्टानें, खनिज पदार्थ, जलवायु, मौसम और ऋतुएँ। सौरमंडल में एक मात्र ग्रह पृथ्वी है जहाँ जीवन पाया जाता है। इसका मुख्य कारण पृथ्वी का पर्यावरण ही है। पृथ्वी ने हमें अनेको उपहार दिये हैं, जिसके कारण मानव की उत्पत्ति, भरण पोषण एवं विकास होता आया है। लाखों वर्षों से हमारे बेहतर जीवन के लिये प्रकृति ने हमें प्रकाश, हवा, भोजन, झरने, फल प्रदान किया है।

दुःख की बात है कि हम पर्यावरण की महत्ता को जानते हुए भी उसकी अनदेखी कर देते हैं। अपने अनियंत्रित अनन्त स्वार्थो की पूर्ति के लिये बाहरी संस्कृति एवं सभ्यता से प्रभावित होकर पूंजी एवं विकास को ही जीवन का प्रमुख आधार मान बैठे है। अतएव प्रकृति के अतिदोहन के कारण हम गंभीर परिस्थितियों के सम्मुखीन हो रहे हैं। बढ़ती आबादी, बेतहाशा औद्योगीकरण, प्राकृतिक संसाधनो का अंधाधुंध प्रयोग एवं मनुष्य की लोभी प्रकृति के कारण पर्यावरण का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। हमारे देश मे ही तापमान ५० डिग्री से उपर जा रहा है। मौसम का मिजाज बदल रहा है। वैज्ञानिक इसे 'क्लाइमेट चेंज' की संज्ञा देते है। विश्व अब 'ग्लोबल वार्मिंग' का शिकार हो रहा है। इस कारण ग्लेशियर पिघल रहे है और समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। हानिकारक ग्रीन हाउस गैस की अधिकता से सुरक्षात्मक ओजोन परत नष्ट हो रही है जिससे सूर्य की सीधी अल्ट्रा-वायलेट किरणें पृथ्वी में प्रवेश करती है। विभिन्न जानवर विलुप्त होने के कगार पर है। विभिन्न मानवीय गतिविधियो के कारण अम्ल वर्षा, महासागरो का अम्लीकरण और जल, थल, वायु के प्रदुषण की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र संघ इस संबंध में पूरे विश्व में जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अलावा, विश्व पृथ्वी दिवस, विश्व ओजोन दिवस, वन महोत्सव, विश्व जल दिवस भी पालन करता है। इस संबंध में सर्व साधारण को जोड़ने के लिये विभिन्न नारों (स्लोगन) का भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इनमे प्रमुख है – पेड़ लगाओं–जिन्दगी बचाओ, अपने फूडप्रिंट घटाओ, हमारी पृथ्वी हमारा भविष्य – इसे बचाएँ, अपने सागर को बचायें, शुष्क भूमि पर रेगिस्तान मत बनाओ, अपनी आवाज उठाओ ना कि समुद्रस्तर, वृक्ष की कटाई रोको, बच्चो को दो शिक्षा-करे पर्यावरण की रक्षा, धरती को हरा बनाये, कचरा यहाँ-वहाँ न फेकें, प्लास्टिक का उपयोग बंद करो। पर्यावरण की सुरक्षा के लिये 'रिड्यूस, रियूज एवं रीसायकल' का मंत्र दिया गया है। रिड्यूस के तहत प्राकृतिक संसाधनो का उपयोग कम करने की बात कही गई है। 'रियूज' में वस्तुओ का दोबारा या बार-बार प्रयोग करने को बढ़ावा दिया जाता है एवं रिसायकाल में संसाधन को परिष्कृत करके फिर से व्यवहार में लाया जाता है। उसी के तहत सौर एवं वायु उर्जा का प्रयोग कर बिजली पैदा की जा रही है। भारत में एल.इ.डी. बल्ब योजना की मदद से बिजली की खपत कम करने की कोशिश हो रही है। उज्ज्वला परीयोजना में कोयला की जगह गैस का प्रयोग कर वायु प्रदुषण को रोकने का प्रयास हो रहा है। मरुस्थल को उपजाऊ जमीन बनाने के कार्यक्रम भी चल रहे है। देश में जंगलो का क्षेत्रफल बढ़ाया जा रहा हैं। अक्टूवर २०१९ से प्लास्टिक बंद करो अभियान की शुरुआत भी हो चुकी है।

आज हम जिस विकट परिस्थिति के सम्मुखीन है, इससे उबरने के लिये विश्व के प्रत्येक नागरिक को अपना योगदान देना होगा। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति हमारे मौलिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है, हमारे लोभ को नही। पृथ्वी हमारे उपयोग के लिये है, हमारे भोग के लिये नहीं। भारतीय संस्कृति में कहा गया है – माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः – यानि पृथ्वी हमारी माता है, हम सभी इस धरा की संतान है। भर्त्तहरि ने अपने वैराग्य शतक में प्रकृति की ओर संकेत करते हुए लिखा है कि आकाश मेरा भाई है, पृथ्वी मेरी माता, वायु मेरे पिता, और अग्नि मेरा मित्र हैं। हमारे ऋषि, मुनियों को प्रकृति के महत्व की अनुभूति थी। उन्होंने कहा – वृक्षाद वर्षाति पर्जन्य पर्जन्यादन्न सम्भवः। अर्थात वृक्ष जल है, जल अन्न है, अन्न जीवन है। उन्होंने जंगलो को आनंददायक कहा है – अरण्यं ते पृथ्वी स्यानमस्तु। भारतीय जीवन पद्धति के चार महत्वपूर्ण आश्रमों मे से ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ और सन्यास का सीधा संबंध वनों से रहा हैं। हमारे यहां पेड़ो की तुलना संतान से की गई है–

दशकुप समावपीः दशावपी समोहदः।
दशहदः समः पुत्रो दशपत्र समोद्रुमः।।

यानि दस कुओं के बराबर एक बावड़ी होती है, दस बावड़ियों के बराबर एक तालाब होता है। दस तालाबो के बराबर एक पुत्र होता है और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है। हमारे ऋषियों ने कहा है –

शाश्वतम्, प्रकृति मानव - सङ्गतम्,
सङ्गतं खलु शाश्वतम्

सत्व पालन कारकं
वारि वायु, व्योम, बह्नि-ज्या-गतम

अर्थात – प्रकृति और मनुष्य के बीच का संबंध शाश्वत है। रिश्ता शाश्वत है। जल वायु आकाश के सभी तत्व अग्नि और पृथ्वी वास्तव में धारक हैं और जीवो के पालनहार हैं।

एक अन्य सुभाषित में कहा गया है –

पत्रपुष्प फलच्छाया मूलवल्कल्दारूभिः।
गन्ध निर्यास मस्मा स्थितौस मैः कामान वितन्वते।।

अर्थात – प्रकृति हमें पत्र, फूल, फल, छाया, जड़, बल्क, लकड़ी, जलाउ लकड़ी, सुगंध, राख, गुठली और अंकुर प्रदान करके हमारे इच्छाओ को पूरा करते है।

ऋग्वेद में पौधे लगाने को एक नियमित कार्य बताया गया है। पौधों को देवताओं से सम्बधित किया गया। रामायण तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में, उपनिषदो में वन, नदी, जीव-जन्तु, पशु पक्षियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है। कालीदास ने पर्यावरण संरक्षण के विचार को अपनी रचना मेघदूत तथा अभिज्ञान शकुन्तलम में समाहित किया है। गीता में स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि वृक्षों में मैं स्वयं पीपल वृक्ष हूँ। तुलसी को कृष्ण प्रेयसी का रूप दिया गया। आंवला नवमी के दिन आवला के पेड की पूजा होती है। आंवला भगवान विष्णु का पंसदीदा फल बताया गया है।

प्राचीन काल से ही हरे वृक्षो को काटना वर्जित था। सूरदास, तुलसी दास, कबीर और रसखान सरीखे हमारे ज्ञानियो ने अपनी रचनाओं मे प्रकृति का विशद चित्रण दिया है। पेड़ सेवा मूलक निस्वार्थ जीवन के मूल शिक्षक है। ये कभी भी अपने चीजों का उपभोग नही करते। अपने फल, फूल, पत्ती, छाल, रस, जड़ यहाँ तक कि अपने लकड़ी के शरीर भी दूसरो के लिये दे देते है। ये आक्सीजन के प्रदाता है एवं प्रदूषित वायु ग्रहण करते हैं। सूरज भी हमें पोषण, स्वास्थ्य, प्रकाश, ताप और जीवन देता है। वायु एक विनम्र, अदृश्य दाता है। हमारे शरीर प्रणालियो को गति देता है – श्वसन, पाचन एवं उत्सर्जन। जीवन देने वाला जल और भोजन भी अन्नपूर्णा है। प्रकृति की तरह मनुष्य भी पंच महाभूत, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश से बना हुआ है। अतः पर्यावरण और मानव मे कोई भेद नही है। इसी परीप्रेक्ष्य में मानव एवं पर्यावरण का संतुलन एवं ताल मेल एवं आपसी समन्वय अति आवश्यक है। शुक्ल यजुर्वेद में हमारे ऋषियों ने प्रार्थना की है –

ॐ द्यौ शान्तिरन्तरिक्ष शान्तिः
पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्ति
वनपस्तयः शान्तिर्विश्वे देवा शान्ति ब्रह्म शान्तिः,
सर्वशान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्ति रेधि।।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

भावार्थ – पृथ्वी के साथ जैविक, आजैविक घटक संतुलन की अवस्था मे रहे, अदृश्य आकाश (द्यूलोक), नक्षत्र युक्त आकाश (अंतरिक्ष) पृथ्वी एवं सभी घटक संतुलन की अवस्था में रहे। तभी व्यक्ति, विश्व शांति एवं संतुलित रह सकता है।

इस संतुलन को बनाये रखने के लिये सभी प्राणी एक दूसरे के लिये आवश्यक है। विद्वानो का कहना है कि मानव के लिये अन्य जीव-जन्तुओं का अस्तित्व अत्यावश्यक है। कहा जाता है कि पक्षी पर्यावरण के संकेतक है। अगर उनका अस्तित्व खतरे में है तो मानव को भी खतरे का सामना करना होगा। यह भी कहा जाता है कि यदि मधुमक्खी पृथ्वी के मुख से लुप्त हो जाय तो मानव के पास जीवित रहने के लिये सिर्फ चार वर्ष बचेंगे। सभी प्राणी अपने अपने प्राकृतिक विशेषताओं के अनुसार पर्यावरण को पुष्ट करते है। यह दुःखद है पर सत्य है कि अकेला सिर्फ मानव प्रकृति का संरक्षण की जगह दोहन में लिप्त हैं। कहा जाता है कि अगर पृथ्वी से मानव जाति लुप्त हो जाय तो, पृथ्वी को कोई क्षति नही पहुँचेगी।

अतः यह समझना होगा कि अगर हम प्रकृति को, किसी भी जीव-जन्तुओं को या फिर पेड़ को कोई भी क्षति पहुँचाते हैं तो उनका सीधा-सीधा असर हमारे उपर पड़ता है। हम जल, वायु, माटी को प्रदुषित करते है। वह प्रदुषित वायु, माटी, जल हमारे बाह्य के साथ हमारे अंदर भी रहता है। कहा गया – यथा पिण्डे तथा ब्रह्माण्डे। मानव एवं ब्रह्मांड में समान तत्व है।

इस गंभीर समस्या का हल हम योग के द्वारा अपने जीवन के चिंतन को परिष्कृत करके कर सकते है। साधारणतः हम जो आसन या व्यायाम करते हैं उसे ही योग कहते हैं। परन्तु आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का नाम योग है। प्रकृति भी परोक्ष रूप से परमात्मा का ही स्वरूप है। योग के द्वारा हम प्रकृति के साथ तादात्म स्थापित कर उसके संरक्षण एवं संर्वधन के लिये अग्रसर हो सकते है। बाहरी सम्यता एवं सोच के तहत हम हमारे ऋषि मुनियों, संस्कार एवं संस्कृति की बातो को दकियानुसी एवं बेकार समझने की भूल करते है। पर्यावरण को हानि पहुँचाकर हम जिस विकास की बात करते है वह एक छलावा है। इसके दीर्घकालीन परिणाम घातक है। एक प्रकार से आने वाली पीढ़ी के लिये हम एक पंगु पृथ्वी छोड़ कर जाने की तैयारी मे लगे हैं। इसलिये योग का अनुसरण ही हमें इस अंधी सुरंग से बाहर निकाल सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण अंग है – अपरिग्रह। अपनी जरूरतों को अल्पतम रखना। संसाधनो का भोग नही, उपयोग करना। अत्यधिक संचय एवं भोग की प्रवृत्ति के कारण प्रकृति का असाधारण दोहन हो रहा है। कहा भी गया है – अपरिग्रह स्थैर्ये जन्म कथान्ता सम्बोधः यानि जब हम अनावश्यक वस्तुओ एवं विचारो को त्याग की स्थिति मे आ जायेंगे तो हमे यह भान होगा कि हम कौन है और क्या कर रहे हैं।

जब हमें इन बातो का भान हो जायगा तो हम स्वयं ही भोग की लालसा से मुक्त हो जायेंगे। यही से प्रारम्भ होगी प्रकृति के साथ हमारी मित्रता। एक दूसरे का संरक्षण करते हुए स्वस्थ एवं आनंदमय जीवन व्यतीत कर पायेंगे। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति जागरूक हो। इसके लिये सभी सामाजिक संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए एवं पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक आंदोलन में परिवर्तित करने की कोशिश होनी चाहिए।

शिव कुमार लोहिया

मिमांसा आवश्यक है

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही बन्धुगण,

यथायोग्य अभिनन्दन ! प्रभु से आप सबके कुशलक्षेम की मंगलकामना।

"समाज विकास" के पुराने अंकों के पन्ने पलट रहा था। एक बात जो सामने आई कि आडम्बर एवं दिखावे का भौंडा प्रदर्शन आज से नहीं वरन वर्षों से अनवरत चला आ रहा है। जैसे आज से १०० साल पहले का कोई पारिवारिक पत्र मिल जाय तो लिखा मिलेगा कि महंगाई चरम पर है, सोच समझ कर खर्च करना चाहिए। यह एक यथार्थ वर्षों से चला आ रहा है वैसे ही जैसे अपने समाज में आडम्बर और भौड़ा प्रदर्शन। पूर्व में हमारे मनीषियों के प्रयास से समाज में व्याप्त कई कुरीतियों का निदान एवं निवारण हुआ है जैसे पर्दाप्रथा पर रोक, स्त्रीशिक्षा को बढ़ावा, बालविवाह पर अंकुश आदि। सुधार की यह प्रक्रिया अनवरत जारी है पर आडम्बर यथावत है। हमें विचार करना चाहिए कि आडम्वर एवं भौडे प्रदर्शन का निदान क्यों नहीं हो पा रहा है। इसका मूल कारण क्या है जिसकी वजह से वर्षों से यह समस्या यथावत है। आडम्बर और दिखावा मानव की प्रवृति में है और इसी कारण युगों से यह चलता आ रहा है। समय के अनुसार स्वरूप बदलता है पर मनोभाव तो आडम्बर और दिखावे का ही रहता है। अपनी औकात और हैसियत को बढ़ा चढ़ा कर दिखाना हम अपना बड़प्पन समझते है। लोग समाज में अपने रूतबे कि धाक जमाना चाहते हैं। सबको सादगी एवं शालीनता से सामाजिक आयोजन करना चाहिये लेकिन जिनकी हैसियत है, जो सम्पन्न है वे ऐसा करते हैं तो ज्यादा दोषी नहीं है, ज्यादा दोषी तो वे हैं जो अपनी औकात और हैसियत से ज्यादा दिखावा और प्रदर्शन करते हैं। अपनी चादर के अंदर ही पांव फैलाने चाहिए।

जिनके पास अथाह धन है वो यदि फिजूल खर्ची, आडम्बर दिखावा करते हैं तो एक तरह से यह धन की बरबादी है। दूसरों की नजरों में ईर्ष्या के कारण बनते हैं। आप पर माता लक्ष्मी प्रसन्न है, अच्छी बात है, उसको और प्रसन्न कीजिए। किसी का कल्याण करके वास्तव में आप अपना कल्याण करते हैं। "परोपकार करके आपको बहुत आनन्द आएगा, झूठे आडम्बर एवं दिखावे से भी ज्यादा आनन्द"। कई लोगों का कल्याण करेंगे तो लक्ष्मी माता आप पर और प्रसन्न होंगी। हजारों चेहरों पर आई खुशियाँ आपकी जिन्दगी को संवार देगी। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय। सामाजिक समारोहों में शालीनता बरती जानी सभी के हित में है। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि सबकी हैसियत या आवश्यकता अलग अलग है। किसी के लिये हवाई यात्रा आवश्यक है, किसी के लिये सुविधाजनक तो किसी के लिए विलासिता की श्रेणी में आ सकती है। सम्पन्न व्यक्ति के लिए आडम्बर फिजुलखर्ची है वहीं सामान्य व्यक्ति के लिये यह दिखावा है। फिजुलखर्ची एवं दिखावा दोनों ही अमान्य है परन्तु उनके परिणाम अलग-अलग। इस मामले में किसी की देखा-देखी करना या तुलनात्मक विवेचना करना या प्रतियोगिता स्वरूप खर्च करना अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। यह एक पुरातन काल से चली आ रही विसंगति है जिस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिये। समाज के चिंतकों एवं विचारकों को आमंत्रित कर विचार गोष्ठियों का आयोजन हो जिसमें खुले मन से व्यापक विचार विमर्श हो एवं सर्वजनहिताय मानक बनाने का संकल्प हो, तो ही स्थिति में सुधार हो सकता है। प्रयास के लिये समाज के सुधीजनों को आगे आना चाहिए। समय के चक्र के अनुसार कई सामाजिक विसंगतिया यथा शादी विवाह की बढ़ती उम्र, प्रीवेडिंग फोटोशूट, ड्रेस कोड का बढ़ता प्रचलन, सामाजिक, आयोजनों में मदिरापान, विवाह के बाद मन मुटाव, सम्बन्ध विच्छेद, घरों में बुजुर्गों के प्रति घटता सम्मान आदि बुराइयों का प्रभाव अपने समाज पर भी पड़ रहा है जिसके परिमार्जन हेतु विचार विमर्श आवश्यक है।

शादी विवाह के अलावा अन्य धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में भी इसी प्रकार दिखावों ने अपने पैर पसार लिए हैं। व्यक्तिगत रूप से भागवत कथा या अन्य धार्मिक आयोजनों में भी बड़े-बड़े तड़क-भड़क वाले पंडाल बनने लगे हैं और भी हर तरह का प्रबंध व्यापक स्तर पर होने लगा है। आयोजक स्वयं भागवत कथा या अन्य धार्मिक आयोजन का कोई रसास्वादन नहीं कर पाता, सिवाय अतिथियों के स्वागत सत्कार के।

हमें अब समाजहित में बहुत कुछ मनन करना है। Charity begins at Home. सब अपने स्तर से अपने स्वयं के आयोजनों में सभी प्रकार की सादगी एवं सुधार लाने का प्रयास करें। देखा देखी औरो को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

रविवार ५ जून को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में इस सत्र की पंचम राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न प्रान्तीय अध्यक्षों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति उत्साह वर्धक रही। सोमवार ६ जून को हरिद्वार में उत्तराखण्ड प्रादेशिक सम्मेलन के साथ विचार गोष्ठी हुई। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं उत्तराखण्ड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को उनके सुन्दर आत्मिय आतिथ्य के लिए हृदय से धन्यवाद।

अपनी बात समाज के हर स्तर पर पहुंचे इसके लिए संगठन के और विस्तार की आवश्यकता है। हर परिवार का कम से कम एक सदस्य सम्मेलन से जुड़ा हुआ होना चाहिए। अपनी नीतियों एवं निर्देशो के प्रचार एवं अनुपालन के लिये यह परमावश्यक है। कुरीतियों के निवारण हेतु, समाज के हर तरह के विकास एवं जागरण हितार्थ यही रास्ता है। सबके प्रयास से ही यह सम्भव है। आईए हम सब मिलकर इसे मूर्त रूप देने में अपना यथा शक्ति योगदान करें।

जय समाज जय राष्ट्र।

ज्ञान का भण्डार है राजस्थानी भाषा – पदम मेहता

जोधपुर से तीन दिवसीय प्रवास पर कोलकाता पधारे राजस्थानी भाषा की पत्रिका 'माणक' के सम्पादक तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री पदम मेहता के सम्मान में ३१ मई २०२२ को एक अंतरंग गोष्ठी का आयोजन सम्मेलन के डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सभागार में किया गया।

इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया, संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, सर्वश्री पवन जालान, जगदीश चन्द्र एन मूँधड़ा आदि ने गुलदस्ता, मेमेन्टो, कलम प्रदान कर तथा माला, दुपट्टा, शॉल, पगड़ी पहनाकर अभिनन्दन-स्वागत किया।

'मायड़ मायं बोलचाल जरूरी' विषय पर अंतरंग चर्चा में भाग लेते हुए श्री मेहता ने कहा कि राजस्थानी भाषा में जो ज्ञान का भण्डार है, वह अन्य किसी भाषा में नहीं है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में जहाँ हिन्दी नही है, वहां भी मारवाड़ी बोलने वाला जरूर है। अगर हम अपने बच्चों तक अपनी भाषा नहीं पहुंचा सके हैं, तो वह हमारा दोष है। उन्होंने कहा कि जो बोली व्याकरण में बद्ध हो जाती है, वह भाषा बन जाती है।

राजस्थानी भाषा के मान्यता नहीं मिलने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि राजनैतिक उपेक्षा के कारण हमारी भाषा को अभी तक मान्यता नही मिली है, किन्तु आज नहीं तो कल, मिलेगी जरूर। क्योंकि बादल छंटने से ही रोशनी की किरण फूटती है।

संगोष्ठी का राजस्थानी भाषा में ही राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री आत्माराम सोन्थलिया ने दिया।

इस मौके पर राजस्थान परिषद के महामंत्री श्री अरुण मल्लावत, पत्रकार श्री सच्चिदानंद पारीक, श्री राजेश अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

बधाई !

मेड़ता शहर नागौर जिला राजस्थान से संबंधित एक प्रतिष्ठित मारवाड़ी समाज में स्व. बाल किशन जी अग्रवाल के यहाँ श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल का जन्म हुआ। इनका जन्म १९ जुलाई १९५५ को ग्वालियर शहर मध्यप्रदेश में हुआ। इन्होंने स्नातक की शिक्षा महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज से की। ओरिएंटल बैंक आफ कामर्स के विभिन्न पदों पर ३८ वर्षों तक अपनी सेवायें दी। वे अपने शेष जीवन को समाज सेवा में लगाने की इच्छा रखते हुये दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री पद के लिये नियुक्त हुये। सम्मेलन परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सम्मेलन के शीर्ष प्रतिनिधिमण्डल ने की मुलाकात

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के नेतृत्व में शीर्ष प्रतिनिधिमण्डल ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी से दिल्ली स्थित उनके निवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल में राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री पवन कुमार गोयनका, श्री पवन सुरेका एवं श्री अशोक जालान, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, सम्मेलन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, कर्नाटक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, गुजरात अध्यक्ष श्री गोकुलचंद बजाज, दिल्ली से श्री बिनोद किला तथा रांची से श्री ओम प्रकाश प्रणव शामिल थे। इस संक्षिप्त मुलाकात में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने दुपट्टा एवं मेमेन्टो प्रदान कर उनका स्वागत किया। श्री हरलालका ने श्री बिरला को सम्मेलन की गतिविधियों से अवगत कराया तथा उन्हें सम्मेलन के कार्यकलापों की प्रकाशित सामग्री सौंपी। माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन एवं समाज के प्रति मेरे दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे, जब किसी कार्य की जरूरत हो निःसंकोच सम्पर्क करने का उन्होंने आग्रह किया।

बधाई !

१२ जून २०२२ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के राज्य परिषद बैठक में श्री मुरारी लाल सोंथलिया जी को उत्कल प्रांत के महामंत्री पद के लिये चुना गया। सम्मेलन परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

बधाई !

सम्मेलन की भागलपुर शाखा के आजीवन सदस्य "प्रो. (डा.) पवन पोद्दार जी को कोयलांचल यूनिवर्सिटी का उप कुलपति नियुक्त किया गया है। सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

संस्कार हमारी परम्परा-संस्कृति और भाषा है पहचान - गोवर्धन गाड़ोदिया

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में नई दिल्ली के तेरापंथ भवन में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि आज की बैठक में पूरे देश के १० प्रान्तों से अध्यक्ष, महामंत्री एवं सदस्यों की उपस्थिति ने इस बात को सिद्ध कर दिया है कि सम्मेलन के प्रति जागरूकता काफी बढ़ी है, संगठन में विस्तार हुआ है तथा सम्मेलन के विचारों को लोग आत्मसात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार हमारी परम्परा तथा संस्कृति तथा भाषा पहचान है। संस्कार का खात्मा होने से संस्कृति का पतन होता है तथा भाषा लुप्त होने से पहचान। हमें न सिर्फ इसको बचाये रखना है बल्कि अगली पीढ़ी को विरासत के रूप में सौंपना है।

बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि हमें शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य तथा समाजसेवा के क्षेत्र में भी ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहिए। इससे न सिर्फ समाज के जरूरतमंद तबके को राहत मिलेगी, हमारी एक अलग पहचान भी इतर समाज में बनेगी।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कपिल लाखोटिया ने कहा कि हम यह प्रयास कर रहे हैं कि हमारे समाज की जितनी भी संस्थाएं देश में कार्यरत है, उन सबके साथ एक मीटिंग आयोजित कर संगठित रूप में कुछ कार्य करने की दिशा में कदम उठा सकें।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने विगत में हुए सम्मेलन की गतिवधियों का ब्यौरा रखा तथा आगामी दिनों में उत्कल, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, बिहार, तेलंगाना में सम्मेलन की बैठकें आयोजित करने हेतु आये हुए प्रस्तावों की जानकारी दी तथा संगठन को और मजबूती प्रदान करने की दिशा में उठाये गये कदमों के तहत बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के होने वाले उत्तराखण्ड दौरे तथा सम्बलपुर जाने के कार्यक्रम की जानकारी दी।

इस मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली), श्री पवन कुमार सुरेका (बिहार), श्री अशोक जालान (उत्कल), दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया, महामंत्री ओम प्रकाश अग्रवाल, बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश जालान, महामंत्र श्री योगेश तुलस्यान, उत्कल प्रदेश अध्यक्ष श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल, महामंत्री श्री जयदयाल अग्रवाल, कर्नाटक के अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, गुजरात के अध्यक्ष श्री गोकुलचंद बजाज, तेलंगाना के अध्यक्ष श्री रमेश बंग, उत्तराखंड के अध्यक्ष श्री संतोष खेतान एवं महामंत्री श्री संजय जाजोदिया, पूर्वोत्तर के महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन श्री पवन जालान, विधिक उपसमिति के चेयरमैन श्री नन्दलाल सिंघानिया सहित अन्यों ने अपने प्रदेश, कमेटियों की रिपोर्ट तथा विचार रखे।

धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने दिया।

बैठक में सर्वश्री मन्नालाल बैद, ओम प्रकाश प्रणव, बिनोद किल्ला, पवन मिश्रा, सज्जन शर्मा, सुरेश पोद्दार, श्यामसुन्दर चमड़िया, बाबुलाल गोलछा, अनिल जैन, विमल खण्डेलवाल, गोपाल सुथार, विजय केडिया, नीरज खेड़िया सहित अन्य काफी सदस्य उपस्थित थे।

राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार समारोह

साहित्यकार श्री किसान एवं श्रीमती जाडावात सम्मानित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा सम्मान-२०२० इस वर्ष दिल्ली के तेरापंथ भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी साहित्यकार श्री रामस्वरूप किसान तथा केदाननाथ-भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान राजस्थान के उदयपुर निवासी श्रीमती दमयंती जाडावत 'चंचल' को प्रदान किया गया। सम्मान के तहत तिलक, माला-श्रीफल, शॉल, मानपत्र तथा २१ हजार रुपयों का राशि का चेक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री पवन कुमार गोयनका, श्री पवन कुमार सुरेका, श्री अशोक जालान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका सहित उपस्थित अतिथिगण श्री कन्हैयालाल जैन, श्री प्रदीप भैया, श्री पन्नालाल बैद, श्री राजकुमार मिश्रा ने प्रदान कर उनका अभिनन्दन किया।

अभिनन्दन के पश्चात द्वय साहित्यकारों ने मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा कहा कि साहित्यकार पैसों के नहीं, भाव एवं मान सम्मान के भूखे होते हैं। ऐसे सम्मानों ने उनको उर्जा प्राप्त होती है, जिससे वे नया सृजन करने की ओर अग्रसर होते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका तथा राजस्थानी भाषा में संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने किया।

विस्तार की ओर उत्तराखण्ड संगठन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा प्रांत प्रभारी श्री पवन गोयनका ने ६ जून को उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का एक दिवसीय सांगठनिक दौरा किया। इस दौरान हरिद्वार में आयोजित गरिमापूर्ण बैठक में अच्छी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री सन्तोष खेतान, महामंत्री श्री संजय जाजोदिया, संस्थापक अध्यक्ष श्री रंजीत जालान ने सभी का स्वागत किया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के आह्वान पर वर्ष २०२२ में ५ नई शाखाओं के खोलने सहित सदस्य संख्या तिगुनी करने, इसी माह से वहां सम्मेलन कार्यालय खोलने तथा वर्ष २०२४ में एक वृहत बैठक हरिद्वार में करने की योजना का आश्वासन मिला। दौरे में निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, रांची से श्री ओम प्रकाश प्रणव भी शामिल थे। धन्यवाद ज्ञापन श्री हरेन्द्र गर्ग ने किया। बैठक में बड़ी शंख्या में उपस्थित समाजबन्धुओं में सर्वश्री विनोद अग्रवाल प्रांतीय उपाध्यक्ष, रंजीत टिबड़ेवाल पूर्व प्रांतीय महामंत्री, अभिषेक लाड़िया, राजीव अग्रवाल, ललित जैन, गौरव जैन, सुशील गर्ग, श्याम केजरीवाल, मुकेश कुमार शर्मा, राजाराम डालमिया, अमित अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, राहुल शर्मा, अजय शर्मा, मनोज गोयल, आशिष वी गुप्ता, श्याम कोठारी एवं विशाल कुमार शर्मा के नाम उल्लेखनीय हैं।

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने किया सम्मान समारोह

५ जून २०२२ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा एवं साहित्य सम्मान समारोह का आयोजन तेरापंथ भवन, छतरपुर रोड, दिल्ली में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में किया।

इस अवसर पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा से पूर्व राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों को सम्मानित किया एवं साहित्य सम्मान समारोह के पश्चात सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

समारोह में समाज की विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों एवं समाज के विभिन्न विभूतियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किये गये अतिथियों में अखिल मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री पवन गोयनका, श्री अशोक जालान, श्री पवन सुरेका, महामंत्री श्री संजय हरलालका, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कपिल लाखोटिया, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर जी बिदावतका, संयुक्त मंत्री श्री सुदेश अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्षगण डॉ. सुभाष अग्रवाल श्री महेश जालान, श्री गोकुल बजाज, श्री संतोष खेतान, श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया एवं श्री रमेश चंद बंग, प्रांतीय महामंत्रीगण श्री अशोक अग्रवाल, श्री जयदयाल अग्रवाल, श्री योगेश तुलस्यान, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री संजय जाजोदिया एवं श्री ओम प्रकाश पोद्दार, महिला शक्ति श्रीमती सुषमा अग्रवाल, दिल्ली के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं स्वागताध्यक्ष पन्नालाल जी बैद एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं संचालक श्री राजकुमार मिश्रा, राजनैतिक चेतना समिति अध्यक्ष श्री नंदलाल जी सिंघानिया एवं अन्य राष्ट्रीय एवं विभिन्न प्रांतों से आए प्रांतीय पदाधिकारीगण, प्रां. उपाध्यक्षगण श्री बाबू लाल गोलछा एवं श्री मन्नालाल बैद, कोषाध्यक्ष श्री अनिल जैन, दिल्ली की विभिन्न शाखा अध्यक्षगण श्री रमेश बजाज (गणगौर) श्री दिलीप कुमार बंका (ग्रेटर फरीदाबाद) श्री सुभाष जैन (द्वारका) श्री शिव महिपाल (साउथ दिल्ली) श्री सज्जन शर्मा (सेंट्रल दिल्ली) रहे समाज के विशिष्टसम्मानित अतिथियों में श्री कन्हैया लाल जैन (केएलजे ग्रुप), श्री पन्नालाल बैद (स्वास्तिक पॉलीमर्स ग्रुप) श्री लक्ष्मीपथ बोथरा (इपैक ग्रुप), श्री उत्तम छाजेड़ (टोपाल इम्पेक्स), श्री सुमन सोनी (जेके मोसून ज्वेलर्स ग्रुप), श्री बालमुकुंद शर्मा (गुरूजी ठंडाई ग्रुप), श्री शुभकरण बोथरा (बीकानेर आसाम रोडलाइन्स लिमिटेड), श्री सुखराज सेठिया (अध्यक्ष तेरापंथ सभा दिल्ली), श्री श्याम जाजू (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा), श्री प्रदीप भैयाजी (प्रां. कोषाध्यक्ष पूर्वांचल प्रकोष्ठ भाजपा), श्री धर्मवीर शेखावत, सुपुत्र श्री सौभाग्य सिंह शेखावत (पूर्व अध्यक्ष राज भाषा साहित्य अकादमी), पत्रकार श्री गोपेन्द्र भट्ट, प्रमुख समाज सेवी श्री राम अवतार किला, ए सी पी श्री रिछपाल सिंह, सी ए श्री गोपाल केडिया, कार्यक्रम संयोजक एवं प्रां. उपाध्यक्ष श्री विनोद किला एवं श्री सुरेश पौदार, गंगौर शाखा महामंत्री श्री संजीव केडिया, श्री सौरभ भारदवाज, गोपाल सुथार (प्रां संयुक्त मंत्री) विमल खंडेलवाल (प्रां संगठन मंत्री), श्री नरेंद्र डागा आदि, तत्पश्चात सभी ने मौजा ही मौजा ग्रुप द्वारा संचालित राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं राजस्थानी भोजन का आनंद लिया।

श्री गिरिराज सिंह से शिष्टाचार भेंट

२७ अप्रैल २०२२ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधि मण्डल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री (भारत सरकार) श्री गिरिराज सिंह जी से एक शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधि मण्डल में श्री पवन कुमार गोयनका (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) श्री राज कुमार मिश्रा (पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष दिल्ली) श्री सज्जन शर्मा (शाखाध्यक्ष सेन्ट्रल दिल्ली) व अन्य समाजबन्धु एवं मीडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस मीटिंग के आयोजन में श्री राजेश सिंघल एवं श्री रमेश बजाज जी का विशेष सहयोग रहा। मारवाड़ी सम्मेलन का संक्षिप्त परिचय दिया गया। उन्होंने देश की प्रगति में मारवाड़ी समाज के योगदान की भूरी भूरी प्रसंशा की। मारवाड़ी समाज के सामाजिक कार्यों में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

प्रादेशिक समाचार : केरल

अन्नपूर्णा की रसोई – मानवीय सहयोग की ओर एक कदम

केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एर्नाकुलम शहर में अन्नपूर्णा रसोई प्रारम्भ की गयी है।

इसका उद्घाटन कोचिन के मेयर श्री अनिल कुमार जी के द्वारा १४ मार्च २०२२ को किया गया था। इसके अलावा कोचीन कॉरपरेशन के काउंसिलर श्रीमती सुधा दिलीप कुमार तथा शहर की अनेक जानी–मानी हस्तियां भी इस शुभ कार्य में सम्मिलित हुई। सभी ने इस कार्यक्रम की सराहना की तथा आश्वाशन दिया की हमेशा इस काम के हम सहयोगी रहेंगे। केरल मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा यह कार्य हर रोज सुबह ८ बजे से प्रारंभ किया जाता है जिसमें लगभग ३०० लोंगो के लिये सुबह का नाश्ता वितरण किया जाता है, ये शुभ कार्य हमारे प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर जी अग्रवाल के अथक प्रयासों के कारण पूरा हो सका ये उनका ड्रीम प्रोजेक्ट भी था। जब भी मीटिंग होती थी, वो इस मानवीय सेवा कार्य का जिक्र जरूर करते थे। इस कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालन करने के लिये केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहाँ के हरेक सदस्य अपने या अपने बच्चों के जन्मदिन, सालगिरह या किसी और अन्य उपलक्ष्य में एक दिन के नाश्ते के रूप में अन्नदान करते है एवं साथ ही वे उस दिन उस मानवीय सेवा कार्य में सशरीर सम्मिलित भी रहते है। इस कार्यक्रम मे रोज का रुपये ५,००० से ८,००० तक का खर्च आता है। इसमें अकेले एक वर्ष का खर्च प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल जी के द्वारा ही वहन किया जायेगा। इसके अलावा केरल मारवाड़ी सम्मेलन के आगामी योजनाओं में सुबह के नाश्ते के साथ दोपहर का भोजन भी शामिल किये जाने पर विचार कर रहें है। अभी भोजन को बनाने की व्यवस्था बाहरी श्रोंतो के द्वारा है; भविष्य में केरल मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा लेकर खुद की जगह खुद की रसोई में बनवाने की योजना है। केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अपने सभी सहयोगियों का हार्दिक आभार प्रकट करता है।

विजय गोयल तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई जिसने अत्यंत अल्प समय में ही मानव सेवा में चेन्नई शहर में अपना एक विशेष स्थान बना लिया है चाहे कृत्रिम अंगदान हो, कोरोना के समय अन्नदान हो या रक्तदान। दिनांक 30 मई 2022 को डी जी वैष्णव कॉलेज के प्रांगण में तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई की सदस्यों की आमसभा का आयोजन किया गया। इस बैठक में नवनिर्वाचित सदस्यों में श्री विजय गोयल जी को अध्यक्ष तथा श्री मुरारीलाल सोंथालिया को महामंत्री चुना गया। उपाध्यक्ष के लिए श्री अशोक केडिया, जगदीश प्रसाद शर्मा एवं अशोक कुमार लाखोटिया को चुना गया।

श्री अमित कुमार महेश्वरी को सहमन्त्री और श्री मोहनलाल जी बजाज को कोषाध्यक्ष चुना गया। सह कोषाध्यक्ष के लिए श्री राम औतार जी रुंगटा को चुना गया।

इस नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों में अजय जी नाहर, गोविंद प्रसाद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, हितेश कानोड़िया, के के नथानी, संजीव अग्रवाल, राजेंद्र जालान, शिवानी मूँधड़ा, सुनीता डागा, और मुकुल कुमार डागा को चुना गया है।

निवर्तमान अध्यक्ष श्री अशोक कुमार मूँधड़ा एवं महामंत्री श्री अशोक केडिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं महामंत्री को कार्यभार सौंपा। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विजय जी लोहिया इस कमेटी के सदस्य रहेंगे।

संक्षिप्त परिचय : श्री विजय गोयल

श्री विजय गोयल (साहुवाला) का जन्म २७ अक्टुबर १९४६ को भटिंडा व सिरसा (हरियाणा) के एक सम्पन्न परिवार में हुआ। इनके पिता का नाम स्व. गजानंद गोयल है। आपने स्नातक की शिक्षा वैश्णव कालेज से सन् १९६७ में पूरी की। कुशल व्यापारी के साथ-साथ ये राज्य के जाने-माने समाजसेवी भी है।

आप तमिलनाडु रोलर फ्लावर मिल्स आनर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल रिलिफ एण्ड एडुकेशन ट्रस्ट चेन्नई के मैनेकजंग ट्रस्टी, अग्रवाल विद्यालय के महामंत्री, श्री अग्रवाल समाज चेन्नई के संस्थापक महामंत्री एवं पूर्व अध्यक्ष के अलावा भी आपने विभिन्न पदों को आपने सुशोभित किया हुआ है। वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय शाखा के अध्यक्ष, मेसर्स मिल्की वेय (आईसक्रीम उद्योग) के चेयरमैन, श्री वैंकटेश औषधालय चेन्नई के ट्रस्टी के अलावा भी अनेकों पदों को सुशोभित कर रहे हैं।

श्री विजय गोयल जी लम्बे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान करते आ रहे है।

धर्मपत्नि श्री सुधा गोयल, तीन पुत्रों के भरे-पूरे परिवार के साथ आप चेन्नई में निवास करते है।

गोविंद अग्रवाल अध्यक्ष पुनर्निर्वाचित

ब्रजराजनगर के गोविंद अग्रवाल दूसरी बार उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष चुने गए, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की राज्य परिषद बैठक के बाद हुए प्रांतीय अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया के तहत प्रांतीय चुनाव अधिकारी नकुल अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनोज जैन ने चुनावी प्रक्रिया के बाद घोषणा की कि २०२२-२४ के लिए पुन: गोविंद अग्रवाल को निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष चुना गया। प्रांतीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद राष्ट्रीय महासचिव संजय हरलालका ने नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, इसके बाद श्री अग्रवाल ने अपनी नई टीम की घोषणा की।

अपने प्रतिवेदन में आगामी दो वर्ष के लिए कार्य योजना के बारे में बताया। श्री अग्रवाल ने बताया कि आगामी दिनों सम्मेलन के प्रत्येक शाखा की ओर से आर्थिक दृष्टि से कमजोर एक बच्चे को हर साल गोद लेने का कार्य किया जाएगा ताकी शिक्षा से कोई वंचित नहीं हो। इस पर कार्य करने के लिए ब्यूटी जिंदल को ब्रांड एंबेसेडर भी बनाए जाने की घोषणा की। हर साल सम्मेलन की ओर से दो शव वाहक वाहन सेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। उच्च शिक्षा में सहायता के लिए राष्ट्रीय शाखा से प्रति वर्ष कम से कम ३-४ विद्यार्थियों को सहयोग देने पर कार्य किया जाएगा। धार्मिक आडंबर रोकने पर कार्य किया जाएगा, झारसुगुड़ा में अग्रसेन भवन या धर्मशाला बनाए जाने का कार्य किया जाएगा, प्रत्येक शाखाओं की अपना कार्यालय बनाने हेतु शाखा द्वारा जमीन की व्यवस्था करने पर एक-एक लाख सहयोग के रूप में प्रदान किया जाएगा, कैंसर पहचान वाहन की तरह नेत्र चिकित्सा के लिए भी वाहन चलाए जाने पर कार्य किया जाएगा। आगामी दो वर्षों में पूर्व घोषित योजना पूरी में भवन निर्माण के लिए कार्य किया जाएगा। इसके अलावा जनगणना, रक्तदान, डेड बॉडी फ्रीजर आदि के लिए सहयोग प्रदान किए जाने का कार्य हाथ में लिया जाएगा।

संक्षिप्त परिचय : श्री गोविन्द अग्रवाल

श्री गोविन्द अग्रवाल का जन्म ३० जनवरी १९५० को ब्रजराजनगर के एक संपन्न व्यापारिक परिवार में हुआ। इनके पिता का नाम स्व. सूरजमल अग्रवाल है। कुशल व्यापारी के साथ-साथ ये राज्य के जाने-माने समाजसेवी भी है।

आप १९७४ से १९९७ तक रोटरी इंटरनेशनल के सक्रिय सदस्य रहे हैं। १९९८ से आप लायंस क्लब के सदस्य रहकर विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। आपको भारत की शीर्ष आद्योगिक संस्था सी.आई.आई. के पश्चिम ओडिशा व्यापारी जगत से एकमात्र सदस्य होने का गौरव प्राप्त है। आप उत्कल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, भुवनेश्वर के भी सदस्य हैं। आपकी २०१९ में बलांगीर सेवा सदन में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु ओडिशा के गवर्नर महामहिम श्री गणेशीलाल द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री गोविन्द अग्रवाल लम्बे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान करते आ रहे हैं। आप उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच को लगभग १० वर्षों तक प्रांतीय सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। आपने एम्बुलेंस तथा कई आर.ओ. युक्त अमृतधारा ओडिशा के विभिन्न शाखाओं को दिया है। वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य हैं तथा उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित शिक्षा विकास ट्रस्ट के ट्रस्टी भी हैं। २०२०-२२ में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

धर्मपत्नी श्रीमती शारदा देवी अग्रवाल, एक पुत्री एवं तीन पुत्रों के भरे-पूरे परिवार के साथ आप ब्रजराजनगर में निवास करते हैं।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष का दौरा

सिलीगुड़ी शाखा

२५ मई २०२२ को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल सिलीगुड़ी पहुंचे। सिलीगुड़ी में एक बैठक का आयोजन कर विचार विमर्श किया गया। आगे के कार्यक्रम की रूप रेखा बनाई गई। मीटिंग में सिलीगुड़ी के वरिष्ठ सदस्य और विशिष्ट समाजसेवी श्री रामोतार जी बरेलिया के साथ शाखा अध्यक्ष, श्री विष्णुजी केडिया, उपाध्यक्ष, श्री संजय शर्मा, जो हाल ही सम्पन्न हुए नगरपालिका चुनाव में पार्षद नियुक्त हुए उन्हें श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने बधाई दी। श्री शर्मा ने आश्वासन दिया कि मेरी ओर से सिलीगुड़ी शाखा के उत्थान के लिये जो भी सहायता होगी मैं इसके लिये प्रयासरत रहूंगा। सचिव, श्री अरूण कंदोई सहसचिव, श्री विजय अग्रवाल, श्री सुनील सिंघल, श्री अशोक अग्रवाल उपस्थित हुये। वैवाहिक बायोडाटा संग्रह करके अपनी वेब-साइट में डालना और लड़के-लड़कियों का संबंध कराने में सहयोग करना, इस बारे में प्रांतीय अध्यक्ष ने जानकारी दी, इसके तहत सिलीगुड़ी शाखा की ओर से यह जिम्मेदारी श्री सुनील सिंघल और साथ रविन्द्र हवेलिया को दिया गया। प्रांतीय अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि वाटर कूलर की लगाने की व्यवस्था सम्मेलन की ओर से किया जायेगा। आप लोग जगह का निरीक्षण करके हमें जल्द से जल्द जानकारी देवे।

जलपाईगुड़ी शाखा

२५ मई २०२२ को दोपहर सिलीगुड़ी में अध्यक्ष श्री अग्रवाल के साथ बैठक हुई। मीटिंग में जलपाईगुड़ी शाखा की तरफ से शाखा अध्यक्ष श्री शंकर लाल मालाका, सचिव श्री प्रदीप सितानी, सह सचिव श्री विनोद झंवर, श्री नंदलाल बजाज, श्री सुशील सिंघी एवं सुरेश मालाका उपस्थित थे।

मीटिंग में प्रदेश में चल रहे सभी कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। मीटिंग में वाटर कूलर लगाने के बारे वार्तालाप किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने कहा कि वाटर कूलर की मशीन लगाने की व्यवस्था सम्मेलन की ओर से किया जायेगा। आप लोग जगह का निरीक्षण करके हमें जल्द से जल्द जानकारी देवे।

चर्चा में सबसे प्रमुख बात युवक/युवतियों के विवाह सम्बन्ध करवाने की रही। उन्होंने कहा कि सम्मेलन युवक, युवतियों की विवाह हेतु एक मैट्रिमोनियल ऐप के माध्यम से मिलान करवाने का काम कर रहा है। अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने जानकारी दी कि अभी तक २५० बायोडाटा इस ऐप के माध्यम से आ चुके हैं। प्रदेश ने कई बायोडाटा मैच भी करवाये हैं। जलपाईगुड़ी शाखा की ओर से कई बायोडाटा आपलोग ने भेजे हैं। शीघ्र ही मैचिंग करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

दार्जिलिंग शाखा

२६ मई २०२२ को पाईन ट्री होटल में सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई। जिसका आयोजन दार्जिलिंग शाखा द्वारा किया गया। जिसमें दार्जिलिंग शाखा के अध्यक्ष श्री बृजमोहन गर्ग, सचिव श्री हिमांशु गर्ग, उपाध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल, संयुक्त मंत्री श्री पवन कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री विमल कुमार मंत्री आदि सदस्य उपस्थित होकर मीटिंग को सफल बनाया। इस मौके पर शाखा के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल संगठन को मजबूत बनाने के लिये सभी सदस्यों से एकजूट होकर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि हमसे जो भी सहायता लेना चाहे हम देंगे। मीटिंग में वैवाहिक मैचिंग कार्यक्रम के बारे में विचार विमर्श हुआ। ज्यादा से ज्यादा संख्या में ऐप के माध्यम से बायोडाटा भेजने पर जोर दिया गया। सचिव श्री हिमांशु गर्ग ने कहा कि सभी सदस्यों को इसकी जानकारी दी गई है।

प्रादेशिक समाचार : महाराष्ट्र

आत्मीय अभिनंदन समारोह

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की जालना शाखा की ओर से ५ मार्च को भव्य दिव्य "आत्मीय अभिनंदन समारोह" का आयोजन किया गया। उपरोक्त समारोह में अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय रेलवे राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे, उद्घाटक के रूप में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश जी चौधरी, प्रमुख अतिथि के रूप में पालक मंत्री नामदार राजेश टोपे, कृषि मंत्री दादा भुसे, पूर्व मंत्री आ. बबनराव लोनीकर, आ. कैलास गोरनत्याल, आ. नारायण कूचे, आ. संतोष दानवे, पूर्व मंत्री अर्जुनराव खोतकर, पूर्व मंत्री जयप्रकाश मुंदड़ा, पूर्व मंत्री रमेशचंद्र बंग, मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजजी पुरोहित, संगठन मंत्री वीरेंद्र प्रकाश धोका, मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री निकेश गुप्ता सह मान्यवर उपस्थित थे।"

'इस अवसर पर पद्मविभूषम वाराणसी के स्व. राधेश्यामजी खेमका के पुत्र आशुतोष खेमका, पद्मश्री डॉ. हिम्मतराव बावस्कर, व चेम्बर ऑफ कॉमर्स के ललित गांधी इनका विशेष सत्कार किया गया।"

परिचय सम्मेलन

"आज की वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर एवं समय की मांग को देखते हुए विवाह संबंध में आ रही दिक्कतों को ध्यान में रखकर महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, अकोला द्वारा सभी मारवाड़ी समाज घटको में रोटी बेटी का व्यवहार हो इसी विचारधारा को समाज में प्रवाहित करने हेतु एक प्रयास के अंतर्गत मारवाड़ी समाज युवक युवती का ओंनलाइन परिचय सम्मेलन रिश्ते धागे पुणे के सहयोग से हाल ही में आयोजित किया गया था।"

"इस परिचय सम्मेलन को काफी अच्छा प्रतिसाद मिला एवं अनेक युवक-युवतियों ने उत्स्फूर्त रूप से इसमें सहभाग लिया। पंजीकरण राशि ५०० रखी गई थी इसके उपरांत करीब १८० युवक-युवतियों ने इसमें अपना नामांकन दर्ज किया। सभी प्रत्याशियों की रिश्ते धागे पुर्ण की टीम में जूम एप के द्वारा वन टू वन मीटिंग कराई गई।"

"उपरोक्त कार्यक्रम मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष राजश्री पुरोहित, संगठन मंत्री वीरेंद्र प्रकाश धोका, महामंत्री निकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की सफलता हेतु सौ. संगीता लाहोटी पुणे, धीरज मॉरदा पुणे, अकोला जिल्हाध्यक्ष बृजमोहन चितलांगे, महामंत्री सुरेश गुरुजी, शहर अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, महामंत्री संतोष छाजेड़, राजेश केडिया, बजरंगलाल अग्रवाल, सुनील बाजोरिया, नीलेश बोर्डिवाला, प्रदीप रांदड, हरीश खंडेलवाल, कुंजीलाल सुनारीवाल सहित मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने अथक प्रयास किया।"

प्रादेशिक समाचार : बिहार

"विश्व पर्यावरण दिवस और योग दिवस की मचा धूम। संगठन यात्राओं मे पदाधिकारी रहे घूम!!"

विश्व योग दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में प्रदेश की शाखाओं ने बागवानी, वृक्षारोपण, सेमिनार एवं पर्यावरण चेतना रैली का कार्यक्रम किया। ज्ञातव्य है कि नवगछिया शाखा के आजीवन सदस्य श्री पवन सर्राफ जी को बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा और ड्रैगन फ्रूट की व्यवसायिक खेती करने वाले ठाकुरगंज के श्री नागराज नखत जी को सम्मानित किया गया है।

मारवाड़ी के अंतर्गत सभी वर्ग, जातियाँ और उप-जातियाँ समाहित हैं, यह स्पष्ट संदेश देने के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में महेश नवमी के अवसर पर माहेश्वरी समाज का वंशोत्पत्ति दिवस मनाया गया। शिव भजन संध्या आयोजित की गई और माहेश्वरी

समाज की विभिन्न विभूतियों को सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पटना सहित प्रदेश की विभिन्न शाखाओं ने एक से लेकर सात दिनों तक के योग शिविर का आयोजन किया। मारवाड़ी समाज के अतिरिक्त स्थानीय समाजबंधुओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। निःस्वार्थ भाव से निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे योग गुरूओं को सम्मानित किया गया।

सांगठनिक यात्राओं के क्रम को निरंतर जारी रखते हुए नबीनगर, औरंगाबाद, बारसलीगंज और नवादा शाखाओं में जाकर सदस्यों एवं समाजबंधुओं से सीधे संवाद स्थापित किया गया। इससे शाखाओं में अतिरिक्त ऊर्जा का संचार हुआ। परिणाम स्वरूप बारसलीगंज शाखा में जहाँ मात्र २ आजीवन सदस्य २० वर्ष पूर्व बने थे वहां अब यह संख्या २० कर दी गई। शाखा ने तीन स्थाई शुद्ध पेयजल केंद्र के निर्माण का भी निर्णय लिया। नबीनगर शाखा भी मुख्य बाजार में बोरिंग के साथ स्थाई पेयजल केंद्र का निर्माण करेगी। सामाजिक योगदान के लिए दुर्गावती देवी अग्रवाल, श्री रविंद्र शर्मा और श्री देवकी नंदन कमलिया जी को सम्मानित किया गया।

राजस्थानी भाषा के घरेलू स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए मारवाड़ी शब्दों के हिन्दी अर्थ और नेगचार पुस्तक समाजबंधुओं को उपलब्ध कराई जा रही है। जून को सदस्यता विस्तार माह घोषित किया गया है जिसमें १० या उससे अधिक सदस्य बनाने वाले बंधुओं को आगामी प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति के बैठक में सम्मानित किया जाएगा।

द मारवाड़ी हेरिटेज

द मारवाड़ी हेरिटेज के सम्बन्ध में हिन्दी में संक्षिप्त विवरण भारत का पुरातन व्यापारिक वर्ग है वैश्य–समुदाय। वैदिक युग से अपनी मेहनत, लगन और कर्मठता का परिचय देने वाले इसी समुदाय से जन्मा है मारवाड़ी समाज। इस समाज ने अपनी अनूठी लगन व कर्मठता से न सिर्फ अपार धन सम्पदा कमाई, बल्कि उदारता से इसे जन–कल्याण में भी लगाया। उस समय के राजा--महाराजाओं के यहां मंत्री, सलाहकार और दीवान जैसे पदों पर सफलतापूर्वक कार्य करते हुए मारवाड़ियों ने राजकाज में महत्वपूर्ण भूमिका अभिनीत की। ये राजपूताना, हरियाणा, मालवा और आस--पास के क्षेत्रों से नए और अनजाने क्षेत्रों की कठिन चुनौतियों को स्वीकारते हुए देश-विदेश में फैल गए। मारवाड़ी समुदाय के आत्मविश्वास, अन्य समुदायों से सामंजस्य, सौहार्दपूर्ण व्यवहार एवं कठिन परिस्थितियों में भी अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य को साधने के हौसले ने उन्हें पहले व्यापार–व्यवसाय, लोकोपकार व बाद में उद्योग जगत का बेताज बादशाह बना दिया।

आज भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक तंत्र में मारवाड़ी समुदाय की जड़ें काफी गहरी हैं। व्यापारिक चातुर्य से धन कमाने तथा देश व समाज को वापस लौटाने के अपने जन्मजात स्वभाव के कारण वे विभिन्न जन–कल्याण के कार्यक्रमों में खुलकर आर्थिक योगदान दे रहे हैं। उनके परमार्थभाव, राष्ट्रप्रेम, आजादी के लिए जेल जाने से लेकर फांसी के फंदे तक का सफर और भी रोमांचकारी, प्रेरणादायी व ऐतिहासिक है। कुछ पुरातन परम्पराओं को त्यागकर और साथ ही बहुत–सी परम्पराओं को जारी रखकर यह समुदाय आधुनिक युग के साथ कदमताल करते हुए नवीन और प्राचीन प्रबंध का एक अद्‌भुत सांस्कृतिक संगम बनाए हुए है। देश के सबसे सफल औद्योगिक घरानों में मारवाड़ी अग्रणी हैं। अपने कुशल नेतृत्व, अभिनव प्रयोगों, रिसर्च एवं डवलपमेंट और टेक्नोलॉजी के विकास में गहरी दिलचस्पी के कारण आज ये अनेक देशों की सरकारों को आर्थिक वकास के गुर सिखा रहे हैं। इनके कार्यकलाप बहुजन या सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित रहे हैं। जिसके कारण इन्हें उच्च शिखर पर पहुंचने में मदद मिली है। इसका प्रभाव वृहत् और दूरगामी रहा है।

प्रस्तुत पुस्तक में इस समुदाय की गौरव–गाथा का दिलचस्प, जीवन्त एवं अनुकरणीय चित्रण प्रस्तुत है। मारवाड़ियों की नई पीढ़ी, आज भी उच्च सपने देखते हुए अपने पूर्वजों द्वारा रखी गई नींव पर नए और भव्य निर्माण करने में जुटी है। दिनोंदिन और ज्यादा तरक्की करते हुए वह नए क्षितिजों की तरफ बढ़ रही है। नई पीढ़ी की कुशल देखरेख और मार्गदर्शन में कितनी ही जन–कल्याणकारी योजनाएं और ट्रस्ट, देश व समाज की सेवा और विकास में जुटे हुए हैं। हम इस समुदाय से जुड़ी बहुत–सी नई और अब तक अनजानी दिलचस्प और आश्चर्यजनक जानकारियों से आपको परिचित करवाएंगे। आध्यात्मिक से लेकर प्रशासन, राजनीति से लेकर स्वतंत्रता–संग्राम, राष्ट्र–निर्माण, विज्ञान--तकनीकी से लेकर कला–संस्कृति तक इस समुदाय ने असाधारण एवं अद्वितीय विरासत राष्ट्र को समर्पित की है।

देश–विदेश में फैले मारवाड़ी समुदाय के संबंध में तथ्यों के एकत्रीकरण व उनकी जांच–परख में पांच वर्षों के निरंतर और व्यापक शोध और अथक परिश्रम का परिणाम है यह पुस्तक। जो काव्य, कथा, ख्यात, वंशावली, बहीखाते, शिलालेख, दानपत्र, पट्टे–परवाने व अन्य दस्तावेजों पर व मेरी पूर्व पुस्तकों पर आधारित है। यह लगभग सात सौ ऐसे दुर्लभ श्वेत–श्याम व रंगीन छायाचित्रों, रेखांकनों और दस्तावेजों से सुशोभित है जो पहली बार प्रकाशित हो रहे हैं। इसमें मिट्‌टी की खुशबू, अथक परिश्रम, त्याग, स्वदेश–प्रेम, आजादी की लगन, औद्योगिक साहसिकता और परोपकार की महक रची–बसी है। कहना न होगा कि पाठकों के लिए यह किसी भव्य उपहार से कम नहीं है। यह उन सबके लिए भी एक प्रेरणा–स्रोत साबित होगी, जो जिंदगी में कुछ कर गुजरने का जज्बा एवं उच्च सोच के साथ और आसमानी बुलंदियों को छूने में विश्वास रखते हैं।

मूल्य रूपये २१०० (एमआरपी रूपये ३५०० पर चालीस प्रतिशत छूट पश्चात)।

आर्डर हेतु मेल भेजें : iime.jaipuir@gmail.com या मोबाईल नं 09799398502 पर सम्पर्क करें।

स्वास्थ्य ही धन है

गन्ने रस के जबरदस्त फायदे

● गन्ने में बहुत से विटामिन और मिनरल पाए जाते है जो कि शरीर के लिये बहुत अच्छे होते है।

● गन्ने के रस में फास्फोरस, लोहा, पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम अधिक मात्रा में पाया जाता है। यह सर्दी जुखाम को पल भर में सही कर देता है। कई लोगों को ज्यादा पानी पीने की आदत नहीं होती जिससे उन्हें डीहाइड्रेशन हो जाता है। शरीर में पानी की कमी ना होने पाए इसके लिये गन्ने का रस पीजिये। गर्मियों में भी अपने शरीर को ठंडा रखने के लिये गन्ने का रस पीजिये।

● गन्ने के रस में सोंठ एवं नारियल पानी मिलाकर सेवन करने से पाचन क्रिया सुधरती है।

● हृदय की जलन व कमजोरी दूर होती है।

● यह जीवनीशक्ति व नेत्रों की शक्ति को कायम रखता है।

● गन्ने का रस पीने से हिचकी बंद हो जाती है।

● बुखार होने पर गन्ने का सेवन करने से बुखार जल्दी उतर जाता है।

● इसमें पालक, पुदीना, सोंठ, निम्बू, काली मिर्च आदि मिलाकर पीना चाहिए।

● गन्ने के रस में बर्फ मिलाकर नहीं पीना चाहिए, सिर्फ रस पीना ज्यादा फायदेमंद है।

● इसे पीने से कई तरह की बीमारियां जैसे, एनीमिया, जौण्डिस (पीलिया) हिचकी आदि ठीक हो जाते हैं।

● अम्लपित्त, रोगों में गन्ने का ताजा रस काफी फायदेमंद है।

● पीलिया ठीक करने के लिये रोज दो गिलास गन्ने के रस में नींबू और नमक मिला कर पीना चाहिये, और गेहूं के दाने के बराबर चुना मिलाकर पिएं लगातार ५-७ दिन।।

● लिवर के रोगों में रामबाण औषधि है गन्ने का रस।

एसीडिटी के कारण होने वाली जलन में भी गन्ने का रस लाभदायक होता है। गन्ने के रस का सेवन यदि नींबू के रस के साथ किया जाए तो पीलिया जल्दी ठीक हो जाता है।

● मूत्र पथ (नली) के संक्रमण, यौन संचारित रोगों और पेट में सूजन आदि गन्ने के रस से ठीक हो जाते है।

● सुबह ११ बजे से पहले पीने पर अमृत का काम करता है।

● ओर भी बहुत अनगिनत फायदे है गन्ने के रस के.....।

शरीर के अंगों की सफाई

लिवर के लिए :–

२० ग्राम काली किशमिस और १ ग्लास पानी लेकर मिक्सर मे जूस बनाकर सुबह खाली पेट १५ दिनों तक सेवन करने से लिवर की सफाई होती है।

किडनी के लिए :–

हरा धनिया ४० ग्राम और एक ग्लास पानी मिक्स करके मिक्सर मे क्रश करके सुबह खालीपेट लिजिए। यह १० दिनों तक करने से किडनी की सफ़ाई होती है, और हमारी किडनी स्वस्थ रहती है।

हार्ट

३० ग्राम अलसी को मिक्सर मे पीस लिजिए। फिर सुबह शाम खालीपेट १५-१५ ग्राम की मात्रा मे सेवन से हमारा हार्ट (हृदय) स्वस्थ रहता है। यह उपाय १ महिने तक करनां है।

दिमाग के लिए :–

बादाम ८ और अखरोट २ लेकर रात को १ ग्लास पानी मे भीगोकर सुबह खालीपेट सेवन करे, यह पुरे २ महिनों तक करने से दिमाग को पूरी तरह से जहरमुक्त (Detoxify) किया जा सकता है।

फेंफडो के लिए :–

२ चम्मच शहद, एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच अदरक का रस सभी को मिक्स करके सुबह खालीपेट सेवन करने से सिगरेट, गुटखा या तंबाकु से जो नुकसान हमारे फेंफडो को हुवा है उसमें सुधार होगा और हमारे फेंफडे स्वस्थ हो जाते है।

बताये हुए उपायों में से सभी एक साथ न करे, बल्कि एक या अधिकतम २ उपाय ही एक साथ कर सकते है।

इलाज से बेहतर बचाव है
स्वदेशी बने प्रकृति से जुड़े

सम्मेलन के सदस्य बने और बनाएँ!

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

सोमं मनो यस्य समामनन्ति
दिवौकसां यो बलमन्ध आयुः।
ईशो नगानां प्रजनः प्रजानां
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

सोम अर्थात् चन्द्रमा समस्त देवताओं के लिए अन्न, बल तथा दीर्घायु का स्रोत है। वह सारी वनस्पतियों का स्वामी तथा सारे जीवों की उत्पत्ति का स्रोत भी है। जैसा कि विद्वानों ने कहा है, चन्द्रमा भगवान् का मन है। ऐसे समस्त ऐश्वर्यों के स्रोत भगवान् हम पर प्रसन्न हों।

अग्निर्मुखं यस्य तु जातवेदा
जातः क्रियाकांडनिमित्तजन्मा।
अन्तः समुद्रेऽनुपचन्स्वधातून्
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

अनुष्ठानों को आहुतियाँ ग्रहण करने के लिए उत्पन्न अग्नि भगवान् का मुख है। समुद्र की गहराइयों में भी सम्पदा उत्पन्न करने के लिए अग्नि रहती है और उदर में भोजन पचाने के लिए तथा शरीर-पालन हेतु विभिन्न स्रावों को उत्पन्न करने के लिए भी अग्नि उपस्थित रहती है। ऐसे परम ऐश्वर्यवान् भगवान् हम पर प्रसन्न हों।

यच्चक्षुरासीत्तरणिर्देवयानं
त्रयीमयो ब्रह्मण एष धिष्णयम्।
द्वारं च मुक्तेरमृतं च मृत्युः
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

सूर्यदेव मोक्ष-पथ को चिन्हित करते हैं, जो अर्चिरादि वर्त्म कहलाता है। वे वेदों के ज्ञान का प्रमुख स्रोत हैं; वे ही ऐसे धाम हैं जहाँ पर परम सत्य को पूजा जा सकता हैं। वे मोक्ष के द्वार हैं; वे नित्य जीवन के स्रोत हैं; वे मृत्यु के भी कारण हैं। सूर्यदेव भगवान् की चक्षु हैं। ऐसे परम ऐश्वर्यवान् भगवान् हम पर प्रसन्न हों।

प्राणादभूद्यस्य चराचराणां
प्राणः सहो बलमोजश्च वायुः।
अन्वास्म सर्माजमिवानुगा वयं
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

समस्त चर तथा अचर जीव अपनी प्राण, अपनी शारीरिक शक्ति तथा अपना जीवन तक वायु से प्राप्त करते हैं। हम सभी अपने प्राण के लिए वायु का अनुसरण करते हैं जिस प्रकार नौकर अपने राजा का अनुसरण करता हैं। वायु की जीवनी शक्ति भगवान् की मूल जीवनी शक्ति से उत्पन्न होती है। ऐसे भगवान् हम पर प्रसन्न हों।

श्रीत्रादि्दशो यस्य हृदश्च खानि
प्रजज्ञिरे खं पुरुषस्य नाभ्याः।
प्राणेन्द्रियात्मासुशरीरकेतः
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

परम शक्तिशाली भगवान् हम पर प्रसन्न हों। विभिन्न दिशाएँ उनके कानों से उत्पन्न होती है, शरीर के छिद्र उनके हृदय से निकलते हैं एवं प्राण, इन्द्रियाँ, मन, शरीर के भीतर की वायु तथा शरीर आश्रय रूपी आकाश उनकी नाभि से निकलते हैं।

बलान्महेन्द्रस्त्रिदशाः प्रसादा—
न्मन्योर्गिरीशो धिषणाद् विरिञ्चः।
खेभ्यस्तुछन्दांस्यृषयो मेढ्तः कः
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

स्वर्ग का राजा इन्द्र भगवान् के बल से उत्पन्न हुआ था, देवतागण भगवान् के कृपा से उत्पन्न हुए थे, शिवजी भगवान् के क्रोध से उत्पन्न हुए थे और ब्रह्माजी भगवान् की गम्भीर बुद्धि से उत्पन्न हुए थे। समस्त वैदिक मन्त्र भगवान् के शरीर के छिद्रों से उत्पन्न हुए थे तथा ऋषि तथा प्रजापतिगण भगवान् की जननेन्द्रियों से उत्पन्न हुए थे। ऐसे परम शक्तिशाली भगवान् हम पर प्रसन्न हों।

श्रीर्वक्षसः पितरश्छाययासन्
धर्मः स्तनादितरः पृष्ठतोऽभूत्।
द्यौर्यस्य शीर्ष्णोऽप्सरसो विहारात्
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

देवी लक्ष्मी उनके वक्षस्थल से उत्पन्न हुई, पितृलोक के निवासी भगवान् की छाया से उत्पन्न हुए, धर्म भगवान् के स्तन से तथा अधर्म उनकी की पीठ से उत्पन्न हुआ। स्वर्ग लोक भगवान् के सिर की चोटी से तथा अप्सराएँ भगवान् के इन्द्रिय भोग से उत्पन्न हुई। ऐसे परम शक्तिशाली भगवान् हम पर प्रसन्न हो।

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th June 2022
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com